1–विभाग का परिचय (लगभग 100 शब्दों में विभाग के कार्यो का वर्णन)

विभाग का परिचयः–उत्तर प्रदेश की लगभग 68 प्रतिशत जनता ग्रामीण अंचलों में निवास करती है, जिसके जीविकोपार्जन के मुख्य स्त्रोज कृषि एवं पशुपालन है वर्तमान में पशुपालन विभाग विकास की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण विभाग है विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों एवं योजनाओं में पशुओं की चिकित्सा, अनुपयोगी नर पशुओं का बधियाकरण कृत्रिम गर्भाधान कार्य द्वारा उन्नत नस्ल के पशुओं संवर्धन करना, दुग्ध उत्पादन मे वृद्धि करने के साथ–साथ कामधेनु, मिनीकामधेनु जैसी महत्वपूर्ण योजनओं का संचालन कर रोजगार के अवसर प्रदान करना, प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, उन्नत नस्ल के पशुओं की वृद्धि करना एवं इसी के साथ–साथ कुक्कुट विकास नीति 2013 के अन्तर्गत कुक्कुट विकास को प्रौत्साहन देना, अण्डा, मांस उत्पादन में वृद्धि करना व बैक्यार्ड पोल्ट्री योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के परिवारों को लाभान्वित करना है। एकीकृत सूकर विकास योजना के अन्तर्गत सूकर विकास में वृद्धि कर मांस उत्पादन को बढाना है। मुख्य रूप से पशुपालन विभाग पशुओं को स्वस्थ्य रखना, पशुओं मे नस्ल सुधार के कार्यक्रम, अण्डा, मांस एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना ही विभाग का उद्देश्य है।

2–सूचना का अधिकार (R.T.I)

	नाम	पदनाम	दूरभाश नम्बर
जन सूचना अधिकारी	डा0 एस0के0 सिंह	अपर निदेशक (ग्रेड–2) पशुपालन विभाग, मेरठ मण्डल मेरठ।	9450019097
अपीलीय अधिकारी	डा0 रूद्र प्रताप	निदेशक, पशुपालन विभाग , उ0प्र0 लखनऊ।	0522–2740202